



“आवाहन” (उन्मुक्त उड़ान का)

जून, 2026
राजभाषा विभाग

हिंदी कार्यशाला



पिथौरागढ़-स्टेशन



अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस — 2026



राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक



विदाई समारोह



मेडिकल कैम्प



मुख्य कार्यपालक अधिकारी की कलम से



प्रिय साथियों,

एलाइंस एअर की आंतरिक गृह पत्रिका "आवाहन" का अंक आप सभी के समक्ष प्रस्तुत है। जैसा कि आप सभी जानते हैं कि कोई भी संगठन अपने, संसाधनों और मानव शक्ति की गुणवत्ता और उसके द्वारा अर्जित किए गए लाभ पर आधारित होती है। एलाइंस एअर इस दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। हमारी एयरलाइन क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के अन्तर्गत प्रचालन करती है और समग्र भारत के अछूते क्षेत्रों को हम अपनी उड़ानों के माध्यम से एक करने का प्रयास करते हैं।

भाषा किसी भी राष्ट्र की सामाजिक और सांस्कृतिक धरोहर होती है साथ ही साथ सम्पूर्ण राष्ट्र की एकता और अखंडता की महत्वपूर्ण कड़ी भी होती है। हम सबको मिलकर प्रतिदिन कार्यालय कार्य में हिंदी के प्रति अपने स्नेहिल भाव व उत्सुकता से प्रतिबद्ध होकर राजभाषा कार्यान्वयन में सहयोग देना होगा, जिससे राजभाषा हिंदी उन्मुक्त भाषा के रूप में पूरे विश्व में जानी जा सके।

आशा करता हूं कि आवाहन पत्रिका को नियमित रूप से प्रकाशित करने में आप अपने विचारों और लेखों से सहयोग देते रहेंगे, जिससे पत्रिका को और अधिक आकर्षक और रुचिकर बनाया जा सके। एलाइंस एअर में राजभाषा कार्यान्वयन को बढ़ावा देने की दिशा में किए जा रहे सत्त प्रयासों के लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं।

शुभकामनाओं सहित!

जय हिंद!

जय भारत!

(राजर्षि सेन)
मुख्य कार्यपालक अधिकारी

कार्मिक प्रधान एवं राजभाषा अधिकारी की कलम से



प्रिय साथियों,

मुझे आपको यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि एलाइंस एअर, राजभाषा विभाग द्वारा नियमित रूप से आंतरिक ई-राजभाषा पत्रिका “आवाहन” का प्रकाशन किया जा रहा है। यह एक सार्थक और अच्छा प्रयास है, इससे हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ कम्पनी में हो रही गतिविधियों की जानकारी प्राप्त होती है और कार्मिकों को अपने लेखन प्रतिभा को सबके सामने लाने का अवसर भी मिलता है।

प्रस्तुत अंक में हमने राजभाषा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों के साथ-साथ एलाइंस एअर में भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी किए गए वार्षिक कार्यक्रम 2026-27 में निर्धारित हिंदी पत्राचार का क्षेत्रवार लक्ष्य, राजभाषा कार्यान्वयन को बढ़ावा देने के सरल उपाय, कहानियां, हेल्थ चैकअप/मेडिकल कैंप का आयोजन, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हिन्दी कार्यशाला, एलाइंस एअर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन एवं पिथौरागढ़ स्टेशन से संबंधित जानकारी प्रकाशित की गई है जिसे पढ़कर आप पत्रिका का आनन्द ले सकेंगे।

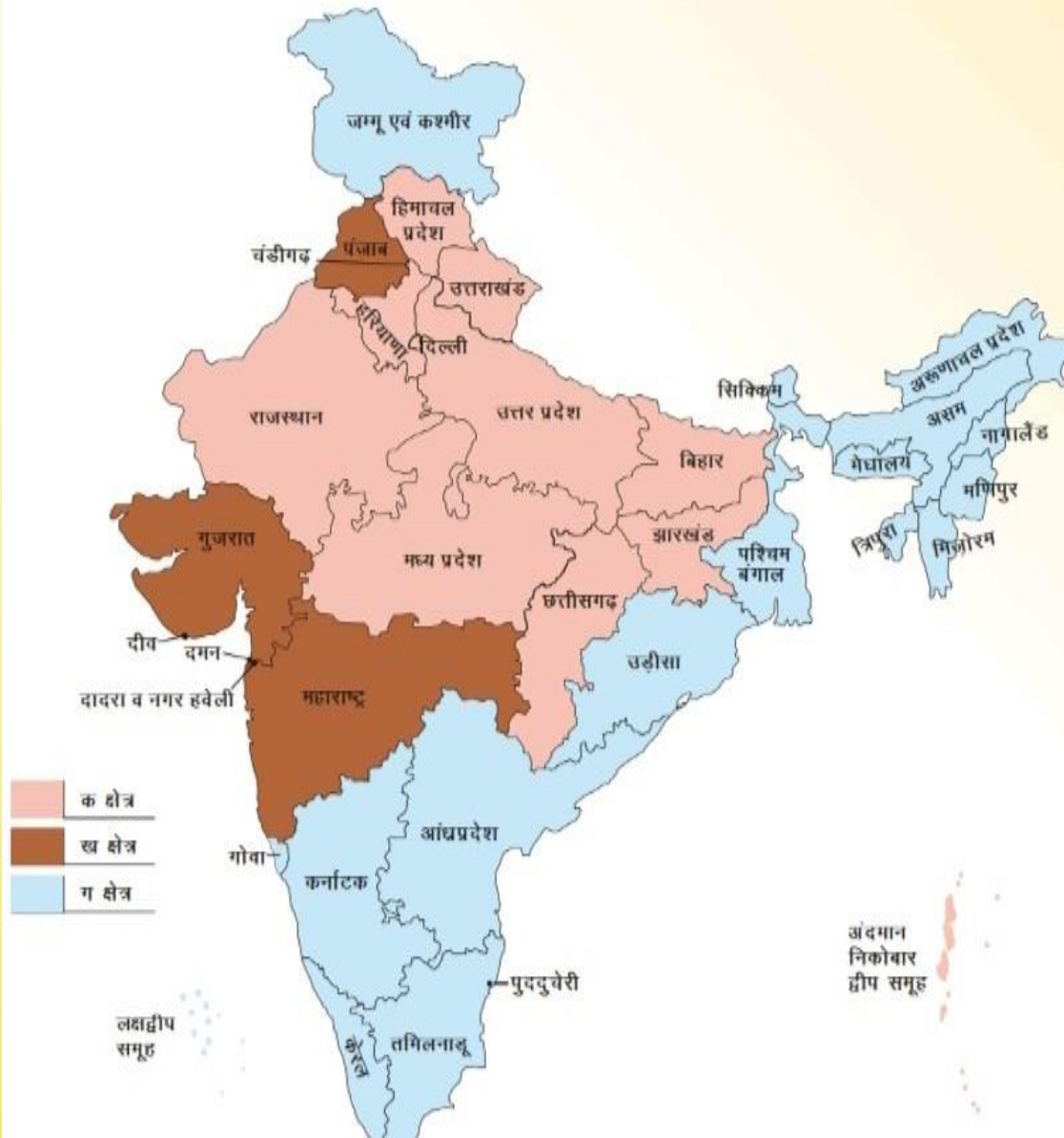
हमारा प्रयास रहता है कि आप सभी के लिए विकास के अवसर उपलब्ध करवाएं जाएं। विमानन क्षेत्र में रोज नई चुनौतियां सामने आती रही हैं जिसका समाधान निकालने के लिए हम सभी को हमेशा तत्पर रहना है।

अंत में पत्रिका के सफल प्रकाशन और आप सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामनाओं सहित।

जय हिन्द! जय भारत!

(विमल किशोर त्रिपाठी)
कार्मिक प्रधान एवं राजभाषा अधिकारी

हिंदी के प्रयोग की दृष्टि से 'क', 'ख' एवं 'ग' क्षेत्रों का विभाजन मानचित्र



भाषायी आधार पर शामिल राज्य/संघ राज्य क्षेत्र

'क्षेत्र क'

बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तराखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश राज्य तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र।

'क्षेत्र ख'

गुजरात, महाराष्ट्र और पंजाब राज्य तथा चंडीगढ़, दमन और दीव तथा दादरा और नगर हवेली संघ राज्य क्षेत्र।

'क्षेत्र ग'

'क' और 'ख' क्षेत्र में शामिल नहीं किए गए अन्य सभी राज्य या संघ राज्य क्षेत्र।

हिंदी हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक व्यवहार में आने वाली भाषा है।

हिंदी कार्यशाला

दिनांक 18 मई, 2026 को एलाइंस एअर, राजभाषा विभाग द्वारा मुख्यालय में नोडल अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए यूनिकोड में हिंदी टंकण का प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। हिंदी कार्यशाला में 12 अधिकारियों/कर्मचारियों जिनमें सुश्री सपना सिंह, सहायक अधिकारी (प्रचालन), सुश्री शिल्पी मलिक, वरि. प्रबंधक (उड़ानगत सेवाएं) सुश्री विभु, अधिकारी (उड़ान संरक्षा), श्री स्मॉल कुमार, सहायक इंजीनियर (तकनीकी प्रशिक्षण), श्री सुनील कुमार, सहायक (सुरक्षा) सुश्री शीतल प्रसाद, उप प्रबंधक (कैमो), श्री अनुराग चौधरी, वरि. प्रबंधक, (वाणिज्यिक), सुश्री सीमा दुग्गल, प्रबंधक (कार्मिक), सुश्री संजीवनी ऋषि, प्रबंधक (वित्त), श्री अशद, सहायक प्रबंधक (एमएमडी), श्री भुवन सिंह, उप प्रबंधक (वित्त), एवं श्री देवेन्द्र कुमार, सहायक (एमएमडी) ने भाग लिया।

कार्यशाला में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी जानकारी व राजभाषा अधिनियम/राजभाषा नियम और हिंदी के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के बारे में बताया गया। स्लाइड के माध्यम से राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम 2026-27 में दिए गए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने व विभागों द्वारा भेजी जाने वाली प्रति तिमाही प्रगति रिपोर्ट को भरने संबंधी विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यशाला के दौरान अधिकारियों/कर्मचारियों को रोजमर्रा उपयोग में आने वाले सरल और सहज शब्दों को अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद करने, विभागों के नाम, पदनाम लिखने का अभ्यास कराया गया। साथ ही साथ सभी नोडल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी यूनिकोड की उपयोगिता व यूनिकोड में हिंदी टंकण का अभ्यास कराया गया तथा ईमेल अधिक से अधिक हिन्दी में ही भेजने को कहा गया। कार्यशाला को सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने उपयोगी बताया।

राजभाषा विभाग
एलाइंस एअर

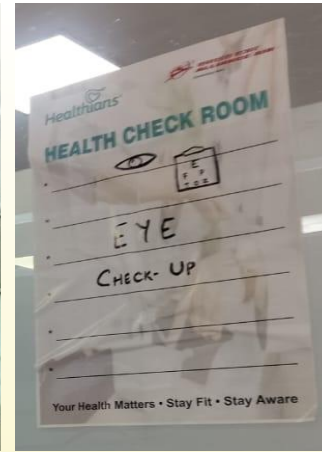


मेडिकल कैंप का आयोजन

एलाइंस एअर में दिनांक 26 मई, 2026 को वेलनेस पहल में भाग लेने और उसका लाभ उठाने के लिए हेल्थ चैकअप का एक दिवसीय आयोजन किया गया। हेल्थियन्स द्वारा चार बॉडी चेकअप पैकेज दिए गए जिसमें एक फुल बॉडी चेकअप पैकेज भी था। चारों पैकेज काफी किफायती दर पर उपलब्ध कराए गए थे। इसके साथ-साथ आँखों और दाँतों का चेकअप भी शामिल था जो सभी के लिए निःशुल्क था।

जैसा कि आप सभी जानते हैं हेल्थियन्स भारत की एक प्रमुख वेलनेस और डायग्नोस्टिक सर्विस प्रोवाइडर्स में से एक है जो क्वालिटी प्रिवेंटिव हेल्थकेयर के लिए जानी जाती है। एलाइंस एअर में सभी ने मेडिकल कैंप का स्वागत किया और अपनी सेहत को प्राथमिकता देने के साथ ही अपना फुल बॉडी चेकअप करवाया। हेल्थियन्स की ओर से डॉक्टर की एक टीम उपलब्ध रही और उन्हीं के मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम को सुचारु रूप से आयोजित किया गया। हेल्थ चेकअप का आयोजन विक्रय एवं चिकित्सा विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। एलाइंस एअर के अधिकतर कर्मचारियों ने इसका लाभ उठाया और आशा व्यक्त की, कि भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन होता रहे और कर्मचारी किफायती दरों पर इसका लाभ उठाते रहें और मेडिकल कैंप के माध्यम से अपनी सेहत की जानकारी से रूबरू होते रहें। हेल्थ चेकअप कार्यक्रम बहुत ही सफल और सार्थक रहा। जिसकी सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने सराहना की।





“स्वस्थ तन में ही, स्वस्थ मन का वास होता है।”

एलाइंस एअर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन

दिनांक 08 जून, 2026 को एलाइंस एअर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में श्री राजर्षि सेन, मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, श्री विमल किशोर त्रिपाठी, कार्मिक प्रधान एवं राजभाषा अधिकारी, श्री जयरामन मुथुकुमार, सूचना प्रौद्योगिकी प्रधान, श्री पुनीत गोयल, उप इंजीनियरिंग प्रधान, श्री मुंशी अब्दुल हाई, स्थल अनुदेशक प्रमुख, श्री विकास शर्मा, उड़ान संरक्षा प्रमुख, सुश्री संगीता खन्ना, सहायक महा प्रबंधक, उड़ानगत सेवाएं, श्री राज सिंह, मुख्य सुरक्षा अधिकारी, श्री अनुराग चौधरी, वरि. प्रबंधक, वाणिज्यिक, श्री यशवर्धन सिंह, उप प्रमुख, सामग्री प्रबंधन विभाग, श्री किरत पाल सिंह, उप मुख्य वित्तीय अधिकारी, वित्त, श्री संजीव कालरा, उप प्रबंधक, एयरपोर्ट प्रचालन, श्री विनोद चन्द्र सनवाल, प्रबंधक (राजभाषा) एवं सदस्य सचिव, सुश्री कमला मेहरा, उप प्रबंधक (राजभाषा) एवं सुश्री रचना पुण्डीर, उप प्रबंधक (राजभाषा) विभागीय प्रतिनिधित्व ने भाग लिया।

सदस्य सचिव द्वारा बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों को एलाइंस एअर में राजभाषा के क्षेत्र में हो रहे कार्यों और गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा दिए गए लक्ष्यों के अनुपालन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। सदस्य सचिव द्वारा बैठक में उपस्थित सदस्यों को राजभाषा विभाग द्वारा एलाइंस एअर की वित्तीय वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट का हिंदी अनुवाद/टंकण प्रूफ रिडिंग का कार्य, मुख्यालय के विभागों एवं क्षेत्रीय कार्यालयों का नियमित रूप से किए जाने वाले राजभाषा संबंधी निरीक्षण, हिंदी कार्यशालाओं के आयोजन एवं ई-राजभाषा पत्रिका आवाहन के प्रकाशन के बारे में बताया। अध्यक्ष महोदय ने राजभाषा विभाग द्वारा किए जा रहे उपरोक्त कार्यों की सराहना की और कहा कि एलाइंस एअर में राजभाषा के क्षेत्र में अच्छा कार्यान्वयन हो रहा है और आशा व्यक्त की भविष्य में भी ऐसे ही राजभाषा कार्यान्वयन होता रहे।

राजभाषा विभाग
एलाइंस एअर



सुश्री सोनिया अब्रोल जी के लिए विदाई संदेश-लंबी पारी की विजेता

इंसान के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण चरण वह होता है, जब वह शिक्षा प्राप्ति के बाद कर्म क्षेत्र में कदम रखता है। कुछ ऐसा ही सफर सुश्री सोनिया अब्रोल का है जिन्होंने 2 मई 1996 को एलाइंस एअर में आरंभ किया था। उन्होंने एलाइंस एअर में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा कर आधिकारिक रूप से 'कैमो' विभाग में बतौर सहायक पर्यवेक्षक के पद पर कार्यभार संभाला और विभाग का प्रशासनिक कार्य देखा।

वे एलाइंस के उस शुरुआती परिवार का हिस्सा रहीं, जब 'एलाइंस एअर' की नींव रखी गई थी। ऐसा लगता है मानो यह कल की ही बात हो, और देखते ही देखते सोनिया जी ने अपने सफर के 30 शानदार वर्ष पूरे कर लिए। यह यात्रा अपने आप में अविश्वसनीय रही है। इस सफर में प्रत्येक विभाग से उनके सहयोगी एक-एक कर उनके साथ जुड़ते गए और ऐसा होना स्वभाविक ही था क्योंकि उनका स्वभाव ही सरल, सौम्य और मृदुभाषी रहा और वह हमेशा अपने सहयोगियों को सहयोग देने के लिए तत्पर रही हैं।

'कैमो' विभाग में करीब 15 वर्ष का लंबा और सफल समय बिताने के पश्चात्, सोनिया जी ने वर्ष 2012 में अपने अगली जिम्मेदारी 15 वर्ष तक इंजीनियरिंग विभाग में संभाली। यहाँ उन्होंने न केवल अपने काम को पूरी कुशलता से निभाया, बल्कि इंजीनियरिंग/कैमो विभाग में आने वाले हर नए सहकर्मी के साथ दिल से गहरा रिश्ता भी बनाया। उन्होंने इंजीनियरिंग विभाग में रहते हुए हिंदी टंकण का प्रशिक्षण प्राप्त कर राजभाषा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया।

इंजीनियरिंग विभाग की सबसे मजबूत कड़ी बनकर उन्होंने सभी साथियों का मार्गदर्शन किया, उन्हें प्यार से समझाया और अलग-अलग कार्यशैलियों में हमेशा उनका साथ दिया। अपने पूरे कार्यकाल में उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और कौशल से एक ऐसे आदर्श चरित्र का निर्माण किया, मानो किसी पावन वटवृक्ष ने अपनी सारी लताओं और टहनियों को सहेजकर संभाला हो। उन्होंने एक ऐसा उदाहरण पेश किया है कि आज भी लोग उन्हें इंजीनियरिंग विभाग की "रीढ़ की हड्डी" (मजबूत स्तंभ) मानते हैं।

एलाइंस एअर, सोनिया जी के इस अतुलनीय योगदान और अमूल्य सेवाओं के लिए सदैव आभारी रहेगा। आपके आगामी जीवन के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं!

(कोमल कादियान)
इंजीनियर

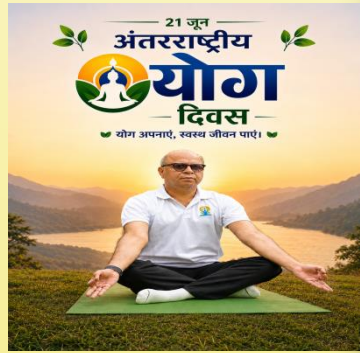


अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस – 2026

दिनांक 21 जून, 2026 को भारतीय होटल निगम लिमिटेड के सेन्टॉर होटल, आईजीआई एयरपोर्ट में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर आयोजित सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में माननीय अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय श्री अमित कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर अन्य उपस्थित अधिकारियों के साथ योगाभ्यास किया। योग दिवस के अवसर पर एलाइंस एअर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री राजर्षि सेन एवं कार्मिक प्रधान श्री विमल किशोर त्रिपाठी एवं एआई एयरपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड, एआई इंजीनियरिंग सर्विसेस लिमिटेड एवं एचसीआई के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

इस वर्ष आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित वैश्विक थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग' के अनुरूप, कार्यालय के इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कॉर्पोरेट जीवनशैली में शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक शांति और दीर्घकालिक ऊर्जा को बढ़ावा देना था।

वर्तमान परिवेश में मानसिक तनाव और शारीरिक थकान एक बड़ी चुनौती हैं। योग केवल एक शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह हमारे मन, शरीर और आत्मा को जोड़ने का विज्ञान है। यदि हम प्रतिदिन कुछ समय योग को देंगे, तो न केवल हमारा व्यक्तिगत स्वास्थ्य बेहतर होगा, बल्कि हमारी कार्यक्षमता में भी अभूतपूर्व सुधार आएगा। 'स्वस्थ आयु' का संकल्प तभी पूरा हो सकता है जब हम आज से ही सचेत प्रयास शुरू करें। इस अवसर पर गर्दन, कंधे और घुटनों के सूक्ष्म व्यायाम, ताड़ासन, वृक्षासन, और शशांकासन का अभ्यास किया गया, जो मुख्य रूप से डेस्क जॉब करने वाले कर्मचारियों की रीढ़ की हड्डी और बैठने की मुद्रा को सुधारने में सहायक हैं। तनाव मुक्ति और मानसिक एकाग्रता बढ़ाने के लिए कपालभाति, अनुलोम-विलोम और भ्रामरी प्राणायाम का सामूहिक अभ्यास किया गया जो लोगों को जीवन भर सक्रिय और निरोगी रहने के लिए प्रेरित करता है।



वार्षिक कार्यक्रम 2026-27

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा वर्ष 2026-27 के वार्षिक कार्यक्रम के तहत केन्द्र सरकार के अधीनस्थ कार्यालयों/उपक्रमों हेतु निर्धारित लक्ष्य

क्र.सं.	कार्य विवरण	क-क्षेत्र	ख-क्षेत्र	ग-क्षेत्र
1	हिन्दी में मूल पत्राचार (ई मेल सहित)	100%	90%	60%
2	हिन्दी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिन्दी में दिया जाना	100%	100%	100%
3	हिन्दी में टिप्पण	80%	55%	35%
4	हिन्दी माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम	75%	65%	35%
5	हिन्दी टंकण करने वाले कर्मचारी एवं आशुलिपिक की भर्ती	80%	70%	45%
6	हिन्दी में डिक्टेशन/की बोर्ड पर सीधे टंकण (स्वयं तथा सहायक द्वारा)	70%	60%	35%
7	हिन्दी प्रशिक्षण (भाषा, टंकण, आशुलिपि)	100%	100%	100%
8	द्विभाषी प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना	100%	100%	100%
9	जर्नल और मानक संदर्भ पुस्तकों को छोड़कर पुस्तकालय के कुल अनुदान में से डिजिटल वस्तुओं अर्थात् हिन्दी ई-पुस्तक, सीडी/डीवीडी, पैनड्राइव तथा अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं से हिन्दी में अनुवाद पर व्यय की गई राशि सहित हिन्दी पुस्तकों की खरीद पर किया गया व्यय	50%	50%	50%
10	कम्प्यूटर सहित सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की द्विभाषी रूप में खरीद	100%	100%	100%
11	वेबसाइट	100% (द्विभाषी)	100% (द्विभाषी)	100% (द्विभाषी)
12	नागरिक चार्टर तथा जन सूचना बोर्डों आदि का प्रदर्शन	100% (द्विभाषी)	100% (द्विभाषी)	100% (द्विभाषी)
13	(i) मंत्रालयों/विभागों और कार्यालयों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों (उ.स./निदे./सं.स.) द्वारा अपने मुख्यालय से बाहर स्थित कार्यालयों का निरीक्षण (कार्यालयों का प्रतिशत) (ii) मुख्यालय में स्थित अनुभागों का निरीक्षण	30% (न्यूनतम) (30% न्यूनतम)	30% (न्यूनतम) (30% न्यूनतम)	30% (न्यूनतम) (30% न्यूनतम)
14	राजभाषा संबंधी बैठकें राजभाषा कार्यान्वयन समिति	वर्ष में 4 बैठकें (प्रति तिमाही एक बैठक)		
15	कोड, मैनुअल, फॉर्म, प्रक्रिया और साहित्य का हिन्दी अनुवाद	100%		

महत्वपूर्ण आदेश

- लिफाफों पर पते हिंदी में लिखे जाएं।
- स्टाफ कार की प्लेटों पर कार्यालय का नाम हिंदी और अंग्रेजी में लिखा जाए।
- कार्यालय में प्रयुक्त होने वाले सभी मानक मसौदे, फार्म हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध करवाए जाएं।
- सेवा-पुस्तिकाओं/रजिस्टरों में प्रविष्टियां हिंदी में की जाएं
- देवनागरी टंकण व आशुलिपि में प्रशिक्षित कर्मचारियों की सेवाओं का समुचित उपयोग।
- वैज्ञानिक और तकनीकी संगोष्ठियों में शोध पत्र हिंदी में प्रस्तुत करने को बढ़ावा देना।
- टेलीफोन डायरेक्टरी को हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रकाशित करना।
- हिंदी में प्रवीणता प्राप्त अधिकारियों तथा कर्मचारियों द्वारा अपना मूल कार्य हिंदी में करना।
- वेबसाइट को पूर्णतया हिंदी तथा अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार करना और उसे समय-समय पर अद्यतन करना।
- हिंदी पुस्तकों की खरीद पर 50 प्रतिशत व्यय करना। (ई-बुक, संदर्भ ग्रंथ को छोड़कर)
- भर्ती परीक्षाओं में अंग्रेजी के अनिवार्य प्रश्न पत्र को छोड़कर 'शेष विषयों के प्रश्न-पत्र के उत्तर हिंदी में देने की छूट दी जाए। प्रश्न-पत्र हिंदी तथा अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध करवाए जाएं।
- साक्षात्कार हिंदी माध्यम से दिए जाने की छूट अनिवार्य रूप से दी जाए। साक्षात्कार हेतु भेजे जाने वाले पत्रों में इसका उल्लेख किया जाए।
- सभी कंप्यूटरों पर हिंदी में कार्य करने की सुविधा उपलब्ध हो, उन पर यूनिकोड प्रणाली में कार्य करने की सुविधा उपलब्ध हो।
- कार्यालय प्रमुख की अध्यक्षता में विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक नियमित रूप से प्रत्येक तिमाही में आयोजित की जाए।
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छमाही बैठकों में कार्यालय के प्रशासनिक प्रमुख अनिवार्य और नियमित रूप से भाग लें।

एलाइंस एअर
राजभाषा विभाग

एक रुपए की कीमत



बहुत समय पहले की बात है, सुब्रोतो लगभग 20 साल का एक लड़का था और कोलकाता की एक कॉलोनी में रहता था। उसके पिताजी एक भट्टी चलाते थे जिसमें वे दूध को पका-पका कर खोया बनाने का काम करते थे। सुब्रोतो वैसे तो एक अच्छा लड़का था लेकिन उसमें फिजूलखर्ची की एक बुरी आदत थी। वो अक्सर पिताजी से पैसा माँगा करता और उसे खाने-पीने या सिनेमा देखने में खर्च कर देता। एक दिन पिताजी ने सुब्रोतो को बुलाया और बोले, देखो बेटा, अब तुम बड़े हो गए हो और तुम्हें अपनी जिम्मेदारियां समझनी चाहिए। जो आए दिन तुम मुझसे पैसे मांगते रहते हो और उसे इधर-उधर उड़ाते हो, ये अच्छी बात नहीं है।

क्या पिताजी! कौन सा मैं आपसे हजार रुपये ले लेता हूँ? चंद पैसों के लिए आप मुझे इतना बड़ा लेक्चर दे रहे हैं..... इतने से पैसे तो मैं जब चाहूँ आपको लौटा सकता हूँ। सुब्रोतो नाराज होते हुए बोला। सुब्रोतो की बात सुनकर पिताजी क्रोधित हो गए, पर वो समझ चुके थे की डांटने-फटकारने से कोई बात नहीं बनेगी। इसलिए उन्होंने कहा, ये तो बहुत अच्छी बात है। ऐसा करो कि तुम मुझे ज्यादा नहीं बस एक रुपये रोज लाकर दे दिया करो। सुब्रोतो मुस्कुराया और खुद को जीता हुआ महसूस कर वहां से चला गया।

अगले दिन सुब्रोतो जब शाम को पिताजी के पास पहुंचा तो वे उसे देखते ही बोले, बेटा, लाओ मेरे 1 रुपए। उनकी बात सुनकर सुब्रोतो जरा घबराया और जल्दी से अपनी दादी माँ से एक रुपये लेकर लौटा। लीजिए पिताजी ले आया, मैं आपके एक रुपये! और ऐसा कहते हुए उसने सिक्का पिताजी के हाथ में थमा दिया। उसे लेते ही पिताजी ने सिक्का भट्टी में फेंक दिया। ये क्या, आपने ऐसा क्यों किया? सुब्रोतो ने हैरानी से पूछा। पिताजी बोले— तुम्हें इससे क्या, तुम्हें तो बस 1 रुपये देने से मतलब होना चाहिए, फिर मैं चाहे उसका जो करूँ। सुब्रोतो ने भी ज्यादा बहस नहीं की और वहां से चुपचाप चला गया। अगले दिन जब पिताजी ने उससे 1 रुपया माँगा तो उसने अपनी माँ से पैसा मांग कर दे दिया। कई दिनों तक यही सिलसिला चलता रहा वो रोज किसी दोस्त या संबंधी से पैसे लेकर पिताजी को देता और वो उसे भट्टी में फेंक देते।

फिर एक दिन ऐसा आया, जब हर कोई उसे पैसे देने से मना करने लगा। सुब्रोतो को चिंता होने लगी कि अब वो पिताजी को एक रुपये कहाँ से लाकर देगा। शाम भी होने वाली थी, उसे कुछ समझ नहीं आ रहा था कि वो क्या! एक रुपया भी ना दे पाने की शर्मिंदगी वो उठाना नहीं चाहता था। तभी उसे एक अंधेड़ उम्र का मजदूर दिखा जो किसी मुसाफिर को हाथ से खींचे जाने वाले रिक्शे से लेकर कहीं जा रहा था। सुनो भैया, क्या तुम थोड़ी देर मुझे ये रिक्शा खींचने दोगे? उसके बदले में, मैं तुमसे बस एक रुपये लूँगा, सुब्रोतो ने रिक्शे वाले से कहा। रिक्शा वाला बहुत थक चुका था, वह फौरन तैयार हो गया।

सुब्रोतो रिक्शा खींचने लगा! ये काम उसने जितना सोचा था उससे कहीं कठिन था। थोड़ी दूर जाने में ही उसकी हथेलियों में छाले पड़ गए, पैर भी दुखने लगे। खैर किसी तरह से उसने अपना काम पूरा किया और बदले में जिन्दगी में पहली बार खुद से 1 रुपया कमाया। आज बड़े गर्व के साथ वो पिताजी के पास पहुंचा और उनकी हथेली में 1 रुपये थमा दिए। रोज की तरह पिताजी ने रुपये लेते ही उसे भट्टी में फेंकने के लिए हाथ बढ़ाया। रुकिए पिताजी! सुब्रोतो पिताजी का हाथ थामते हुए बोला, आप इसे नहीं फेंक सकते! ये मेरे मेहनत की कमाई है और सुब्रोतो ने पूरा वाक्या कह सुनाया।

पिताजी आगे बढ़े और अपने बेटे को गले से लगा लिया। और कहा देखो बेटा! इतने दिनों से, मैं सिक्के आग की भट्टी में फेंक रहा था लेकिन तुमने मुझे एक बार भी नहीं रोका पर आज जब तुमने अपनी मेहनत की कमाई को आग में जाते देखा तो एकदम से घबरा गए। ठीक इसी तरह जब तुम मेरी मेहनत की कमाई को बेकार की चीजों में उड़ाते हो तो मुझे भी इतना ही दर्द होता है, मैं भी घबरा जाता हूँ। इसलिए पैसे की कीमत को समझो चाहे वो तुम्हारे हों या किसी और के। कभी भी उसे फिजूलखर्ची में बर्बाद मत करो! सुब्रोतो पिताजी की बात समझ चुका था, उसने फौरन उनके चरण स्पर्श किए और अपने व्यवहार के लिए क्षमा मांगी। आज वो एक रुपये की कीमत समझ चुका था और उसने मन ही मन संकल्प लिया कि अब वो कभी भी पैसे की बर्बादी नहीं करेगा।

पिथौरागढ़-स्टेशन

दिल्ली से पिथौरागढ़

प्रस्थान: प्रातः 10:05 बजे

आगमन: प्रातः 11:25 बजे

आवृत्ति: मंगलवार, गुरुवार, शनिवार

एयरपोर्ट: टर्मिनल-1 आईजीआई एयरपोर्ट



पिथौरागढ़ से दिल्ली

प्रस्थान: सायं 14:10 बजे

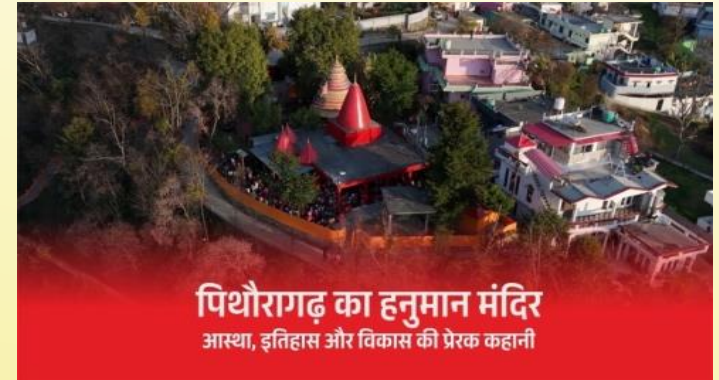
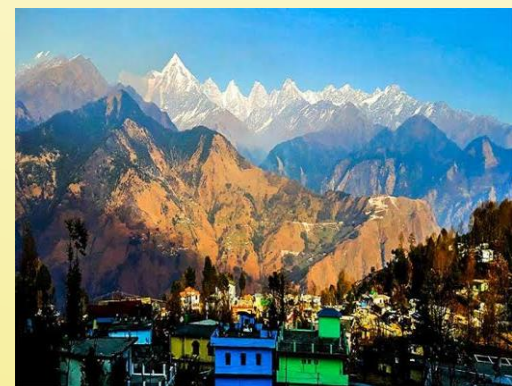
आगमन: सायं 15:20 बजे

आवृत्ति: मंगलवार, गुरुवार, शनिवार

एयरपोर्ट: नैनी सैनी एयरपोर्ट

एलाइंस एअर की उड़ान 7 नवम्बर, 2024 से आरंभ हुई।

पिथौरागढ़ भारत के उत्तराखंड राज्य का एक प्रमुख शहर है। पिथौरागढ़ का पुराना नाम सोरघाटी है। सोर शब्द का अर्थ होता है – सरोवर। यहां पर माना जाता है कि पहले इस घाटी में सात सरोवर थे। पिथौरागढ़ उत्तराखंड की खूबसूरत सोर घाटी में बसा एक शांत और रमणीय शहर है। इसे अपनी प्राकृतिक सुंदरता के कारण 'मिनी कश्मीर' भी कहा जाता है। यह शहर भारत-नेपाल सीमा के करीब स्थित है और कैलाश मानसरोवर यात्रा का मुख्य प्रवेश द्वार है।



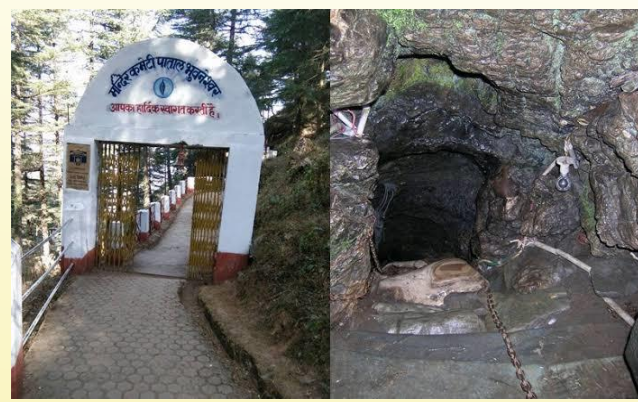
पिथौरागढ़ के इर्द-गिर्द चार किले हैं जिनका नाम भाटकोट, डूंगरकोट, उदयकोट तथा ऊँचाकोट है।

शरद काल में यहाँ एक 'शरद कालीन उत्सव' मनाया जाता है। इस उत्सव मेले में पिथौरागढ़ की सांस्कृतिक झाँकी दिखाई जाती है। सुन्दर-सुन्दर नृत्यों का आयोजन किया जाता है। पिथौरागढ़ में स्थानीय उद्योग की वस्तुओं का विक्रय भी होता है। राजकीय सीमान्त उद्योग के द्वारा कई वस्तुओं का निर्माण होता है। यहाँ के जूते, ऊन के वस्त्र और किरगाल से बनी हुई वस्तुओं की अच्छी मांग है। सैलानी यहाँ से इन वस्तुओं को खरीदकर ले जाते हैं। पिथौरागढ़ में सिनेमा हॉल के अलावा स्टेडियम और नेहरु युवा केन्द्र भी है। मनोरंजन के कई साधन हैं। पिकनिक स्थल हैं। यहाँ पर्यटक जाकर प्रकृति का आनन्द लेते हैं।

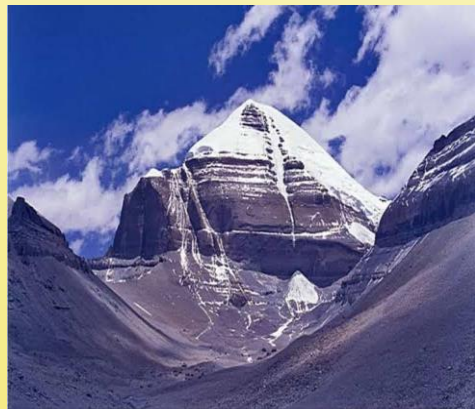
पिथौरागढ़ में हनुमानगढ़ी का विशेष महत्व है। यह नगर से 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहाँ नित्यप्रति भक्तों की भीड़ लगी रहती है। एक किलोमीटर की दूरी पर उल्का देवी का प्रसिद्ध मन्दिर है। लगभग एक किलोमीटर पर राधा-कृष्ण मन्दिर भी दर्शनार्थियों का मुख्य आकर्षण है। इसी तरह एक किलो मीटर पर रई गुफा और एक ही किलोमीटर की दूरी पर भाटकोट का महत्वपूर्ण स्थान है।

पिथौरागढ़ सीमान्त जनपद है। इसलिए यहाँ के कुछ क्षेत्रों में जाने हेतु परमिट की आवश्यकता होती है। पिथौरागढ़ के जिलाधिकारी से परमिट प्राप्त कर लेने के बाद ही सीमान्त क्षेत्रों में प्रवेश किया जा सकता है। पर्यटक परमिट प्राप्त कर ही निषेध क्षेत्रों में प्रवेश कर सकते हैं।

पाताल भुवनेश्वर: पिथौरागढ़ से लगभग 99 किमी दूर स्थित यह एक प्राचीन भूमिगत गुफा मंदिर है, जो भगवान शिव को समर्पित है।



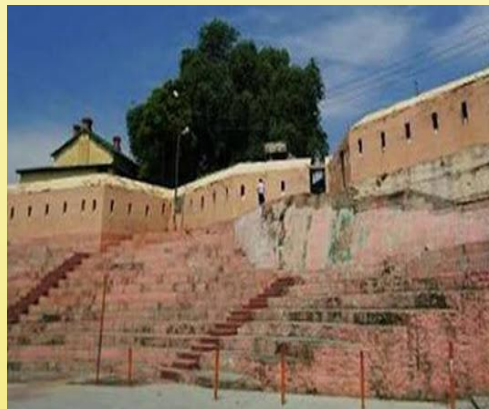
कैलाश मानसरोवर का प्रवेश द्वार: यह शहर पवित्र कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव और बेस कैंप है। पिथौरागढ़ से आदि कैलाश की दूरी लगभग 190 से 200 कि.मी. है तथा मानसरोवर की कुल अनुमानित दूरी 350 से 380 कि.मी. के लगभग है।



हाट कालिका मंदिर: गंगोलीहाट में स्थित यह माँ महाकाली का एक बेहद सिद्ध और प्राचीन शक्तिपीठ मंदिर है। हाट कालिका मंदिर को भारतीय सेना की कुमांऊ रेजिमेंट की ईष्ट देवी माना जाता है जो पिथौरागढ़ से 76 कि.मी की दूरी पर है।



एतिहासिक धरोहर: शहर के मध्य में स्थित पिथौरागढ़ का किला (1789 में गोरखाओं द्वारा निर्मित) और चंद राजाओं के अवशेष यहाँ के गौरवशाली इतिहास की झलक दिखाते हैं।



चंडाक हिल्स: शहर से 8 किमी दूर यह स्थान देवदार और चीड़ के जंगलों से घिरा है, जहाँ से पूरे पिथौरागढ़ और हिमालयी चोटियों का शानदार नजारा दिखता है।



हिलजात्रा उत्सव: यहाँ का कृषि और पशुपालन से जुड़ा पारंपरिक सांस्कृतिक उत्सव 'हिलजात्रा' काफी प्रसिद्ध है, जिसमें मुखौटे पहनकर 'लखिया भूत' का नृत्य मुख्य आकर्षण होता है।



साहसिक पर्यटन: यह जगह पैराग्लाइडिंग, हैंग-ग्लाइडिंग और मिलम, रालम व नामिक ग्लेशियरों के ट्रेकिंग मार्गों के लिए पर्यटकों के बीच बहुत लोकप्रिय है।



हवाई मार्ग: पिथौरागढ़ में नैनीसैनी एयरपोर्ट मौजूद है, जो मुख्य शहर से केवल 5 किमी की दूरी पर स्थित है।

(विनोद चन्द्र सनवाल)
प्रबंधक, राजभाषा

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम-2) दिल्ली तकनीकी कार्यशाला

दिनांक 25 जून, 2026 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम-2) दिल्ली, के तत्वाधान में ग्रिड कंट्रोलर ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा राजभाषा तकनीकी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य डिजिटल तकनीकी एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) आधारित उपकरणों के माध्यम से राजभाषा हिंदी के प्रभावी एवं आधुनिक कार्यान्वयन को बढ़ावा देना था।



सफलता उम्र नहीं देखती

बहुत से लोग 40 घंटे प्रति सप्ताह की अपनी नौकरी में केवल इसलिए कैद रहते हैं कि वे सोचते हैं कि उनकी उम्र ज्यादा हो चुकी है। उन्हें लगता है कि वे अब इतने बूढ़े हो चुके हैं कि बाहर जाकर अपना मनचाहा काम नहीं कर सकते। जबकि हमारे पास अनेक ऐसे उदाहरण हैं जिन्होंने अपना करियर ही 40 की उम्र के बाद बनाया।

- अमेरिका के पहले बिलियनेयर हेनरी फोर्ड 40 की उम्र तक एक मामूली से मैकेनिक थे।
- दुनियाभर में मशहूर मैकडॉनल्ड्स की स्थापना करने से पहले 50 की उम्र तक रे क्रॉक कम आमदनी वाले सेल्समैन हुआ करते थे।
- कर्नल सैंडर्स ने केंटकी फ्राइड चिकन स्टोर 60 की उम्र में शुरू किया था।
- राष्ट्रपति रीगन को पहली बार राष्ट्रपति पद की शपथ 70 साल की उम्र में दिलाई गई थी।

किसी करियर को शुरू करने या बदलने की सबसे अच्छी उम्र क्या होती है? वही, जो इस वक्त आपकी है सफल लोग नौकरी संबंधी निर्णय लेते समय उम्र को अनदेखा कर देते हैं

घरेलू नुस्खे

- चीनी और कोको पाउडर में पानी मिलाकर फेस मास्क बनाएं। एंटी एक्सीडेंट से भरपूर यह फेसपैक आपकी त्वचा की खोई नमी को लौटाने और बढ़ती उम्र की निशानियों को छुपाने में मदद करेगा।
- ग्रीन टी वाला पानी, बियर, नीबू का रस, कच्चे अण्डे, मेयोनीज और नारियल पानी आदि कंडीशनर के बेहतरीन विकल्प हैं।
- केला त्वचा और बाल दोनों को पोषण देने का काम करता है। केले को मैश करके बाल और चेहरे पर 15 मिनट के लिए लगाएं और फिर अच्छी तरह से धो लें। केला चिपचिपा हो सकता है इसलिए उसे बहुत देर तक लगाकर नहीं रखें।
- मिल्क पाउडर, चीनी और पानी एक बेहतरीन फेस पैक है। तुरंत चेहरे की चमक को बढ़ाने के लिए एक गिलास गुनगुने पानी में 4 चम्मच टोमैटो कैचअप मिला लें और उससे अपना चेहरा धो लें।
- आंखों की खुबसूरती को बढ़ाने में बर्फ आपकी मदद कर सकता है। बर्फ को तोड़कर एक रुमाल में रखें और उस रुमाल से आंखों को सेकें। इसके बाद आंखों पर थोड़ा सा आई क्रिम या वैसलीन लगा लें।
- रात भर सोने से पहले चेहरे पर ढेर सारा मॉइस्चराइजर या वैसलीन लगा लें। अगली सुबह चेहरे की चमक कई गुना बढ़ चुकी होगी।

जन्मदिन – सेलिब्रेशन

किसी भी गतिशील और सफल संस्थान की रीढ़ उसके कर्मचारी और नेतृत्वकर्ता होते हैं। कार्यालय केवल काम करने की जगह नहीं, बल्कि एक ऐसा जीवंत परिवेश है जहाँ हम अपने दिन का एक बड़ा हिस्सा बिताते हैं। ऐसे में सहकर्मियों और शीर्ष अधिकारियों के जीवन के विशेष अवसरों, जैसे कि उनके जन्म दिवस, को संस्थान में मनाना एक बेहद सकारात्मक परंपरा है। यह आयोजन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि कार्यस्थल की संस्कृति को मजबूत करने का एक सशक्त माध्यम है।

कार्यालय में खुशियों के इन छोटे-छोटे पलों को संजोना अंततः संस्थान की उत्पादकता और कार्य-संस्कृति को निखारता है। हम सब मिलकर अपने कार्यस्थल को एक ऐसा स्थान बनाएं जहाँ काम के साथ-साथ एक-दूसरे की खुशियों का भी सम्मान हो।

सभी अधिकारियों और सहकर्मियों को उनके आगामी जन्म दिवसों की अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं!

मई एवं जून, 2026 माह के जन्मदिन के केक काटने के सेलिब्रेशन की कुछ झांकियों की झलक इस प्रकार है :-



(पुष्पा रावत)
उप प्रबंधक, कार्मिक

शिक्षा सबसे बड़ा हथियार है, जिससे समाज और देश
दोनों बदले जा सकते हैं ।

प्रस्तुतिकरण – विनोद चन्द्र सनवाल
कमला मेहरा
रचना पुण्डीर

कृपया अपनी प्रतिक्रिया से अवश्य अवगत कराएं ।

राजभाषा विभाग, एलाइंस एअर, मुख्यालय

सम्पर्क – 011 25674178

ई मेल – rajbhasha@allianceair.in